COURSE OUTCOMES- HINDI & MODERN INDIAN LANGUAGES

B.A. (HINDI SAHITYA)
B.A. (HINDI PRAYOJANMULAK)
B.A. Hons. (HINDI)
M.A. (HINDI SAHITYA)
M.Phil.
Ph.D. (HINDI)
PROFICIENCY (TAMIL, BANGLA, MARATHI)
SUGAM HINDI (ONLY FOR FOREIGN STUDENTS)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, के अंतर्गत हिन्दी में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं तमिल, बंगला, मराठी प्रोफिशिएन्सी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं सुगम हिन्दी दक्षता पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों का निर्माण राष्ट्रीय एवं मानवीय मूल्यों के सहभागिता सुनिश्चित करने के सापेक्ष तैयार किया गया है। स्नातक स्तर पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के संवर्धन के साथ–साथ जहाँ एक ओर हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम संचालित होता है वहीं छात्रों को व्यावहारिक एवं कार्यालयी हिन्दी के प्रति जागरूक करने एवं रोजगार की संभावनाओं को देखते हुये प्रयोजनमूलक, हिन्दी का पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इसके अन्तर्गत छात्रों को राजभाषा प्रशिक्षण के साथ–साथ कार्यालयी पत्रों, मीडिया, कम्प्यूटर आशुलेखन एवं अनुवाद का प्रशिक्षण दिया जाता है।

हिन्दी को वैश्विक संदर्भ से जोडने के लिए विदेशी छात्रों को भारतीय संस्कृति, मूल्य एवं हिन्दी भाषा का ज्ञान कराने के लिए सुगम हिन्दी के नाम से एक वर्ष में प्रोफिशिएन्सी पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृति एवं विचारधारा को संचालित करने के लिए प्रवासी हिन्दी का प्रश्नपत्र रखा गया है।

भारतीय भाषाओं में सौहार्द स्थापित करने के लिए विभाग में प्रोफिशिएन्सी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम– तमिल, मराठी एवं बंगला में संचालित है। वहीं स्नातकोत्तर स्तर पर एक प्रश्नपत्र के रूप में भारतीय साहित्य के अन्तर्गत विभिन्न भारतीय आधुनिक भाषाओं के साहित्यकार एवं कृतियों को समायोजित किया गया है।

स्थानीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर स्नातक स्तर पर एक प्रश्नपत्र अवधी एवं ब्रज साहित्य को केन्द्र में रखकर बनाया गया है वहीं परास्नातक स्तर पर 'लोक साहित्य' शीर्षक से एक प्रश्न पत्र संयोजित किया गया है।

कुल मिलाकर विभागीय पाठ्यक्रमों में यह ध्यान रखा गया है कि छात्रों को न केवल हिन्दी बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिवेश का ज्ञान कराया जा सके। साथ ही रोजगार की दिशा में अवसर प्रदान हो सके।

परास्तानक एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के प्रवेश प्राप्त करने के पश्चात् शिक्षक द्वारा व्यक्तिगत रूप से उनके दो वर्ग बनाये जाते हैं– 1. प्रबुद्ध छात्रों का वर्ग, 2. कमजोर छात्रों को बिना आभाषित कराये छात्रों का वर्ग।

प्रत्येक कक्षा के शिक्षकों द्वारा दोनों वर्ग के छात्रों हेतु उनके शैक्षणिक उत्थान व्यवस्था की जाती है।

प्रबुद्ध विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार संदर्भ पुस्तकों की जानकारी के साथ पुस्तकालय, इण्टरनेट आदि की सहायत से संदर्भ सामग्री का उपयोग कराने की सलाह दी जाती है। छात्रों के हित को ध्यान में रखकर विभागीय पुस्तकालय की सुविधा दी जाती है। यू0ट्यूब, इण्टरनेट पर सामग्री की जानकारी देकर छात्रों के सामने अद्यतन करने हेतु निर्देशित किया जाता है इसके अतिरिक्त पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों एवं अन्य पाठ्य सामग्री को पढ़ने के लिए भिन्न–भिन्न तरीकों की जानकारी दी जाती है।

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय में दक्षता, बी0ए0–स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध सम्बन्धी पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। स्नातक स्तर विभाग में हिन्दी साहित्य एवं बी0ए0 प्रयोजन मूलक हिन्दी तथा बी0ए0 ऑनर्स तृतीय वर्षीय पाठ्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर एम0ए0 हिन्दी साहित्य का द्वितीय वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इससे अतिरिक्त स्नातकोत्तर के पश्चात विभाग में एम0फिल0 का डेढ वर्षीय तथा पी–एच0डी0 तथा डी0लिट की सुविधा प्रदान की जाती है। विभाग में राष्ट्रीय ऐक्य को ध्यान में रखते हुए प्रोफिशियन्सी पाठ्यक्रम, तलिम, बांग्ला एवं मराठी में तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम तमिल में संचालित होते हैं। विदेशी छात्रों के लिए 'सुगम हिन्दी' का एक वर्षीय प्रोफिएन्शी पाठ्यक्रम संचालित होता है।

उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रमों के निर्धारित अनुपात में स्थान पूर्ण होते हैं। इन पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में छात्रों को आकर्षित एवं जागरूक करने के लिए दो स्तर पर प्रयास किये जाते हैं– 1 विश्वविद्यालय स्तर पर 2. विभागीय स्तर पर

विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रमों के समय विज्ञापन द्वारा सूचित किया जाता है तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर सूचनाएं प्रसारित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्रीय सभागार में पंजीकृत छात्रों को एकत्रित करके पाठ्यक्रम की जानकारी दी जाती है। विभागीय स्तर पर नोटिस बोर्ड पर सम्बन्धित पाठ्यक्रमों की सूची एवं विषयवस्तु चस्पा की जाती है तथा प्रवेश से पूर्व विभागीय शिक्षक सप्ताह में दो बार छात्रों के लिए कांउन्सिल की व्यवस्था की जाती है।

कमजोर छात्रों के उन्नयन हेतु समूह संवाद, पी0पी0टी0, संगोष्ठी एवं अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था करके उन्हें प्रबुद्ध एवं सामान्य छात्रों के समकक्ष लाने का प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को सम्बन्धित कक्षाओं के प्राध्यापकों से आवश्यकतानुसार सम्पर्क करने की सुविधा भी है कमजोर छात्रों को सामान्य स्तर प्राप्त कर लेने के पश्चात् उसे भी ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न संसाधनों से जोड़ दिया जाता ळें

स्नातक, परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उनकी शैक्षणिक अभिवृद्धि हेतु हिन्दी विभाग में अनेक संसाधनों का प्रयोग किया जाता है।

विद्यार्थियों की समस्या समाधान हेतु समूह संवाद, शैली का प्रयोग किया जाता है। विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर प्रोजेक्टर द्वारा शिक्षण दिया जाता है।

छात्रों के उन्नयन हेतु विभिन्न वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। विभिन्न लेखन प्रतियोगिता द्वारा छात्रों के ज्ञान में अभिवृद्धि की जाती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके छात्रों की ज्ञानवृद्धि की जाती है।

बी0ए0, एम0ए0, बी0ए0 (ऑर्नस), प्री–पी–एच0डी0के छात्रों को परियोजना कार्य देकर उनकी जानकारी में वृद्धि भी की जाती है। विभिन्न स्लाइड निर्माण द्वारा आद्यतन जानकारी दी जाती है। विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता है। किसी विशिष्ट विद्वान द्वारा विषयगत व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है।